UNIVERSITY NEWS 15 SEPTEMBER 2026

I NEXT

ज्ञान, जिज्ञासा, उत्साह के क्षितिज पर विद्यार्थी, तालियां बनीं प्रमाण

एलयू के मालवीय सभागार में क्षितिज 5.0 के समापन समारोह का आयोजन

LUCKNOW (14 SEP): क्षितिज 5.0 के दो दिवसीय समापन समारोह के पहले दिन की चर्चा 'हिंदी पत्रकारिता' से शुरू होकर 'वायरल वार्ता' का हाथ पकड़कर 'गीत मिले हैं जीवन में' से होते हुए पुरस्कार वितरण तक पहुंची. इस दौरान सभागार में मौजूद विद्यार्थी जिज्ञासा, ज्ञान और उत्साह के क्षितिज पर रहे, जिसका प्रमाण चारों सत्र में उनकी तालियां दे रही थीं. हिंदी दिवस पर आयोजित इस कार्यक्रम ने भाषा के सांस्कृतिक मूल्यों का परिचय उसकी व्यापकता से दिया.

दीप प्रज्वलन से शुरुआत

लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में सोमवार को काव्योम फाउंडेशन, हिंदी और आधुनिक भारतीय भाषा विभाग की ओर से क्षितिज 5.0 के समापन समारोह का पहला दिन दीप प्रज्वलन के साथ शुरू हुआ. हिंदी एवं आधुनिक भारतीय भाषा विभाग के अध्यक्ष प्रो. पवन अग्रवाल

ने कहा कि पत्रकारिता ने हिंदी को क्षेत्रीय भाषा से निकालकर मानक भाषा बनाया.

एक हजार वर्ष की यात्रा

संस्कृत, पाली, प्राकृत से होते हुए हिंदी ने एक हजार वर्षों की यात्रा पूरी की. हिंदी प्रांतीय भाषाओं को साथ लेकर चलने वाली भाषा है. उद्घाटन सत्र की शुरुआत प्रो. श्रुति और दैनिक जागरण के संपादक (उत्तर प्रदेश) आशुतोष शुक्ल के संवाद से हुई.

समय के साथ नए शब्द आते हैं

प्रो. श्रुति ने प्रश्न पूछा कि पिछले दिनों एक घटना के दौरान युवाओं ने भाषा को अपने रूप में गढ़ा, इसे कैसे देखते हैं? उत्तर में आशुतोष शुक्ल ने कहा कि भाषाई शुद्धता समाप्त नहीं हो रही है. समय के साथ नए शब्द आते हैं और लोग उनको सहजता से स्वीकार भी करते हैं. भाषा ऐसे ही समृद्ध होती है.

पीयूष की वजह से आया

द्वितीय सत्र 'वायरल वार्ता' का संचालन अक्षत ने किया. इस सत्र में अभिनेता व कंटेंट क्रिएटर कुशल दुबे और अनमोल मिश्रा के बीच संवाद हुआ. बीच-बीच में मिशन मुंह दिखाई फिल्म के डायलाग सुनने के अनुरोध ने सत्र को मनोरंजक बना दिया. थिएटर से डिजिटल कंटेंट की दुनिया तक के सफर, इंटरनेट मीडिया के माध्यम से स्थानीय भाषा और संस्कृति को नए दर्शकों तक पहुंचाने जैसे विषयों पर कुशल ने विचार साझा किए. कुशल दुबे ने कहा कि गुलाल फिल्म देखते समय क्रेडिट में पीयूष मिश्रा का नाम आया, बस वहीं से ठान लिया कि फिल्मों में जाना है.

कोर्स पत्रकार नहीं बना सकता

पत्रकारिता की तैयारी के सवाल पर उन्होंने कहा कि कोई कोर्स पत्रकार नहीं बना सकता. पत्रकारिता दिल से करने वाला काम है. अंत में क्षितिज 5.0 के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने वाले 20 विद्यालयों और महाविद्यालयों के 300 प्रतिभागियों को डा. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. मनोज दीक्षित और विधायक राजेश्वर सिंह ने सम्मानित किया.

I NEXT

लोगों को जोड़ने का बड़ा माध्यम है हिंदी भाषा

'हिंदी भाषा का महत्व एवं संप्रसार' विषय पर व्याख्यान दिया गया

LUCKNOW (14 Sep): करामत हुसैन मुस्लिम गर्ल्स पीजी कालेज में हिंदी साहित्य समिति 'सतरंग' की ओर से हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं व्याख्यान आयोजित किया गया. मुख्य अतिथि लखनऊ विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्रोफेसर एवं पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. योगेंद्र प्रताप सिंह ने 'हिंदी भाषा का महत्व एवं संप्रसार' विषय पर व्याख्यान दिया.

कई प्रतियोगिताएं भी हुईं

उन्होंने कहा कि हिंदी लोगों को जोड़ने का माध्यम है और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समन्वय स्थापित कर रही है. इस दौरान छात्राओं के लिए विभिन्न ज्ञानात्मक एवं रचनात्मक प्रतियोगिताएं आयोजित कर विजेताओं को पुरस्कृत किया गया. छात्राओं ने 'चीफ की दावत' कहानी का मंचन भी किया. प्रिंसिपल प्रो. हुमा ख्वाजा ने प्रतिभागियों की सराहना की.

NBT

हिंदी दिवस: शहर के शिक्षा संस्थानों सहित अन्य संस्थानों में हुए कार्यक्रम, वक्ताओं ने रखे विचार

'हिंदी शब्दकोश में नए शब्दों को जोड़ना ज़रूरी'

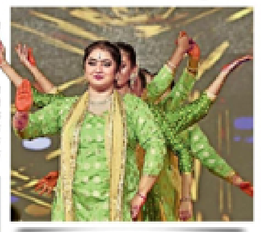

'खुद वित्तीय फैसले लेने में है सच्ची सुरक्षा'

गोमती पुस्तक महोत्सव

मल्हार की धुन पर कथक ने बांधा समां

दो पुस्तकों का विमोचन

रेडियो लोकभाषा, राजभाषा के बीच सेतु

'राही की साहित्यिक विरासत से परिचित कराना चाहिए'

AMRIT VICHAR

सकूल के बच्चों ने जाना ई-पुस्तकालय का महत्व

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: राष्ट्रीय पुस्तक न्यास की ओर से लखनऊ विश्वविद्यालय में चल रहे गोमती पुस्तक महोत्सव में तीसरे दिन चिल्ड्रन्स कॉर्नर में कहानी, माइंडफुलनेस, कला, रचनात्मकता और डिजिटल पठन से जुड़े विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। मेले में लखनऊ के विद्यालयों के 1,300 विद्यार्थी भी पहुंचे।

दिन की शुरुआत कामिशिबाई स्टोरी टेलिंग सत्र से हुई, जिसमें कहानीकार रंजीता सचदेवा ने बच्चों को जापान की अनूठी पेपर थिएटर शैली से परिचित कराया। इसके बाद कहानीकार एवं कम्युनिकेशन कोच प्रियंका सागर ने माइंडफुलनेस फॉर क्यूरियस माइंड्स सत्र में बच्चों को वर्तमान क्षण में सजग रहने तथा अपनी भावनाओं और खुशियों को समझने के लिए प्रेरित किया। राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय पर विद्यार्थियों को 23 भाषाओं में उपलब्ध 7,000 से अधिक ई-पुस्तकों वाली डिजिटल पहल की जानकारी दी गई। प्रश्नोत्तरी में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय की विशेष उपहार सामग्री पुरस्कार स्वरूप दी गई।महोत्सव के साहित्यिक सत्र में लिविंग लाइक अ मांक : अ जर्नी टू साल्व द माइंड पुस्तक पर विशेष संवाद हुआ।

कथक के बाद बही शास्त्रीय संगीत की बयार

बिरजू महाराज कथक संस्थान की सांस्कृतिक संध्या ने बांधा समां महोत्सव में शाम को बिरजू महाराज कथक संस्थान की ओर से विशेष सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। कलाकारों एवं विद्यार्थियों ने शास्त्रीय संगीत, सुगम संगीत और कथक की मनोहारी प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश स्तुति से हुआ। इसके बाद शास्त्रीय संगीत के अंतर्गत ऋतु-राग, भक्ति, ब्रज-संस्कृति और गजल की प्रस्तुतियों ने समां बांधा। वर्षा ऋतु की छटा को राग मियां मल्हार में बिजुरी चमके के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। कथक की द्वितीय प्रस्तुति में बरसन लागी रे बदरिया... बंदिश को तीन ताल एवं राग मियां मल्हार में प्रस्तुत किया गया। कथक की लयकारी और नृत्यात्मक अभिव्यक्ति के साथ तीन ताल की द्रुत लय के विभिन्न पक्षों का सुंदर प्रदर्शन किया गया। महोत्सव में मंगलवार को पूर्वाह्न 11 बजे से दोपहर एक बजे तक अन्तरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला बच्चों से मुलाकात करेंगे। शाम को 5 बजे से आयोजित कवि सम्मेलन में शंभु शिखर के ठहाके गूंजेंगे।

कथक नृत्य की प्रस्तुति करती कलाकार।

HINDUSTAN TIMES

[UP FOR GRABS] GOMTI BOOK FESTIVAL

Books to sharpen skills, keep kids off screens

LUCKNOW: The nine-day Gomti Book Festival which got underway at the Lucknow University is not just another book fair featuring classics, self-help and academic books; what stands out are books which can help hone skills. Besides, it offers books and activities that can help parents reduce their children's screen time.

For skill development and understanding contemporary India, a special segment has been curated at the festival.

At the stall set up by National Book Trust, a book 'Narcotic Drugs' is available as a guide to save youth from drug traps. 'Making New India', 'Towards Naya Bharat' on country's infrastructure and community development and 'Financial Inclusion' based on a study by the Delhi School of Economics, which explains financial inclusion in depth, have been brought to the festival. For those interested in basic science, 'Basic Biotechnics' and 'Real to Reel' on the relation between Indian cinema and democracy are available.

For the art of conversation and removing stage fear, some books are available at Prabhat Prakashan stall to help students hone public-speaking skills.

"We also have books on personality development and competitive exams which allows readers to test themselves and develop logical thinking. A book on 'Body Language' teaches how to use gestures to communicate without speaking and reading minds. For those looking for ways to mould themselves for an interview a book 'Art of Interview' can turn out helpful," said an executive at the stall.

To keep children away from mobile addiction and increase creativity and concentration, unique experiments and activities are widely available.

Book lovers at Gomti Book Festival. DEEPAK GUPTA/HT PHOTO

At Eklavya Pitara stall, traditional wooden and brain-teasing toys made of wood are the centre of attraction. "For 2 to 3-year-old children, a cupping ball is available for Rs 169 that increases concentration, and an acrobat wooden puzzle is available among other toys and games. For older children, a map puzzle has been brought with which they can understand the geographical location of states while playing," said Avender, an executive at the stall.

National Book Trust Hindi editor Lalit Kishore Mandora said that this time five books focusing on history of Kashmir and unsung heroes related to knowledge tradition, based on Raja Kalhana's Rajtarangini, Kota Rani, Matragupta, Rani Yashomati and Lalitaditya, have been brought for teenagers beyond traditional subjects.

"Along with this, under 'Kaljayi Pustakmala' - Premchand's 'Nadan Dost', Jaishankar Prasad's 'Chhota Jadugar', Yashpal's 'Jheel Ki Beti', Mannu Bhandari's 'Trishanku', Bhishm Sahni's 'Do Gauraiya' and works of Sumitranandan Pant have been published for first time in an easier to understand format," said Mandora. HTC

[HINDI DIWAS]

Foreign learners take LU route to know nuances of Hindi

Godhooli Sharma
godhooli.sharma@htlive.com

LUCKNOW: From learning about Indian culture via the internet, e-resources and web streaming platforms followed by understanding the importance of Hindi, students from across the globe have enrolled at Lucknow University.

In the backdrop of Hindi Diwas on Monday, Hindustan Times spoke to a few such students who chose the LU route to learn Hindi.

From self-taught German linguists inspired by classical music to Polish scholars navigating spiritual traditions, a growing cohort of foreign students is choosing Lucknow to bridge the gap between textbook grammar and living tradition. Their presence underscores a fundamental shift in how global students approach Indology: moving beyond distant academic observation towards total linguistic and everyday immersion.

Odemar Bühn (21) of Germany is pursuing his first semester of BA in Linguistics, Sanskrit, and Philosophy. He began learning about Indian culture and Hindi around five years ago through a digital doorway.

"Driven by an early curiosity sparked by Indian classical music, I began dissecting the language independently using online resources, radio broadcasts, and cinema. My independent study evolved into a serious academic journey that ultimately brought me straight to the heart of the Hindi-speaking belt. Mastering the language is not merely an academic exercise, but a mandatory key to unlocking the philosophical depth of the region," Bühn says.

Iwo Zawadzki, a 25-year-old Indology student from Poland, took an indirect route to the heartland.

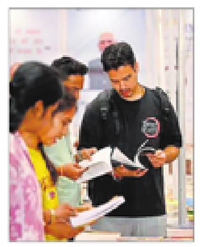

"I was initially drawn to South Indian culture and Dravidian languages at age of 17 after meeting members of the Indian diaspora on a web-streaming platform. I spent two years studying Tamil at a University in Poland. However, the structured, comprehensive Hindi curriculum available at Lucknow University provided the ideal foundation to refine his overall grasp of Indian linguistics," Zawadzki shares.

"Having already authored a BA thesis examining cultural identity in Jhumpa Lahiri's 'The Namesake', I found myself unexpectedly captivated by the complexities of Hindi grammar," he says. Anna Nowicka, 45, from Poland learnt about the language and the culture of India through the International Centre for Krishna Consciousness. She is a second-year MA student of Hindi and Modern Indian Languages. "I spent a year at Kendriya Hindi Sansthan in Agra to learn Hindi," she shares.

Odemar Bühn

Iwo Zawadzki

Anna Nowicka

VOICE OF LUCKNOW

गोमती पुस्तक महोत्सव : कथक की मनमोहक प्रस्तुति ने समां बांधा

NBT

NBT न्यूज़, लखनऊ

हिंदी दिवस पर शहर के शिक्षा संस्थानों सहित अन्य संस्थानों में संगोष्ठी, संवाद और चर्चाएं हुईं। इस के तहत आधुनिक भारतीय भाषा विभाग और काव्योम फाउंडेशन की ओर से हिंदी दिवस पखवारे 'क्षितिज 5.0' का समापन व पुरस्कार वितरण समारोह सोमवार को लखनऊ विवि के मालवीय सभागार में हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. मनोज दीक्षित ने 20 महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों के लगभग 300 विजेताओं को पुरस्कृत किया। उन्होंने जोर दिया कि हिंदी के विस्तार के लिए तकनीकी व अंग्रेजी के प्रचलित शब्दों को हिंदी शब्दकोश में शामिल किया जाना चाहिए।

TIMES OF INDIA

Childhood classics on e-Pustakalaya

Times News Network

Lucknow: As 80s-themed photographs and nostalgia bring the era back into focus, students and children can now revisit the classic comics and literature that defined reading habits of an earlier generation through the Rashtriya e-Pustakalaya.

The collection includes comics such as "Chacha Chaudhary", "Champa Ka Ek Phool" and "Begum Badshah aur Baghvaani". The collection also takes readers towards literary works such as Ruskin Bond's "The Blue Umbrella", RK Narayan's "Malgudi Days" and Premchand's "Idgah"—books that may not be readily available in the market. For many who grew up in the 1980s and 90s such comics and books were part of everyday childhood, often read at home, exchanged among friends or picked up from local bookstalls.

The Gomti Book Festival features a dedicated stall to promote the Rashtriya e-Pustakalaya initiative of the ministry of education. Visitors can explore the digital library through Vidya Bot, an interactive AI-powered companion that helps readers discover books and engage with stories in a new way.

"The initiative aims to take quality reading beyond physical libraries and make books accessible to young readers through digital platforms. With over 7,000 book titles with free access, children can access these books via mobile phones—including their parents' phones—through teachers or on laptops or Windows-based web platforms, making reading available to them wherever they are," said director, National Book Trust Yuvraj Malik.

Children and students can also explore and learn languages.

Visitors explore the Rashtriya e-Pustakalaya stall

Dancing divinity: Braj culture takes centre stage at fest

Birju Maharaj Kathak Sansthan's cultural evening at the Gomti book festival on Monday began with an invocation to Lord Ganesha, followed by performances based on seasonal raags, devotion, Braj culture and ghazal as part of the classical music segment. The beauty of the monsoon season was brought alive through 'Bijuri Chamke' in Raag Miyan Malhar. This was followed by the second Kathak presentation, featuring the composition 'Barasan Lagi Re Badariya' in Teentaal and Raag Miyan Malhar. The performers beautifully showcased various aspects of 'teentaal' in 'drut laya' through Kathak's intricate rhythmic patterns and expressive dance vocabulary.

AMRIT VICHAR

कैडेट साक्षी अग्निहोत्री।

साक्षी बनीं प्रदेश की बेस्ट कैडेट

अमृत विचार, लखनऊ : 64 यूपी बटालियन एनसीसी लखनऊ विश्वविद्यालय की कैडेट साक्षी अग्निहोत्री ने प्रदेश निदेशालय की बेस्ट कैडेट कम्पटीशन में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। लांसकारपोरल साक्षी अग्निहोत्री 64 यूपी बटालियन एनसीसी, लखनऊ विश्वविद्यालय कंपनी की कैडेट है व बीए तीसरे सेमेस्टर की छात्रा है। उन्होंने प्रतियोगिता के दौरान अपनी अनुशासनप्रियता, नेतृत्व क्षमता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कुलपति प्रो. जय प्रकाश सैनी, कमांडिंग ऑफिसर कर्नल एके गुप्ता, एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अनिमेष कुमार राय व एएनओ अधिकारी लेफ्टिनेंट डॉ. रजनीश कुमार यादव ने लांसकारपोरल साक्षी अग्निहोत्री को बधाई दी है।

I NEXT

पत्रकारिता ने हिंदी को लोकव्यापी बनाया : प्रो संजय द्विवेदी

पत्रकारिता को भारतीय दर्शन के अनुरूप होना चाहिए

UNIVERSITY NEWS 15 SEPTEMBER 2026

AMRIT VICHAR

हिंदी दिवस पर प्रतियोगिता आयोजित

अमृत विचार, लखनऊ : हिंदी दिवस के अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय के संस्कृतिकी के अंतर्गत कार्यरत प्रश्नोतरी क्लब तथ्यम द्वारा दो प्रश्नोतरी प्रतियोगिताओ का आयोजन किया गया। प्रश्नोतरी प्रतियोगिता मे प्रथम स्थान मृत्युंजय विक्रम सिंह, द्वितीय स्थान आदेश श्रीवास्तव तथा तृतीय स्थान श्रेष शुक्ल ने प्राप्त किया। यूजी फ्रेशर्स प्रश्नोतरी प्रतियोगिता मे प्रथम स्थान अमितांश सक्सेना, द्वितीय स्थान अंशादित्य प्रताप सिंह एवं सार्थक मिश्रा तथा तृतीय स्थान नमिता पटेल एवं अनघ पांडेय ने प्राप्त किया।

एआई से कैंसर उपचार को मिलेगी नई दिशा

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय मे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, प्रिसीजन ऑन्कोलॉजी और आधुनिक हेल्थकेयर इनोवेशन पर केंद्रित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। आरजीएस फार्मेसी ने बायोटेक फार्मा सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड लर्निंग के सहयोग से सम्मेलन कराया। इसमे 700 से अधिक प्रतिभागियो और करीब 150 संस्थानो ने भाग लिया। वैज्ञानिक सत्र मे कैंसर और एआई से संबंधित 83 पोस्टर प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम मे सावन शुक्ला, अनुकृति शुक्ला, प्रो . अभिनव श्रीवास्तव, मनोज कुमार, प्रो . गौरव कैथवास सहित अन्य मौजूद रहे।

AMAR UJALA

शैक्षिक गुणवत्ता के आधार पर विश्वविद्यालयों की होगी रेटिंग

एकेडमिक कैलेंडर, शोध, नैक प्लेसमेंट समेत छह क्षेत्रों की निगरानी की जाएगी

नोडल अधिकारी करेंगे डाटा व अभिलेखों का भौतिक सत्यापन

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। उच्च शिक्षा विभाग अब विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों की शैक्षिक गुणवत्ता की निगरानी के साथ उनकी रेटिंग भी करेगा। यूपी प्रमाण पोर्टल पर उपलब्ध आंकड़ों और स्थलीय निरीक्षण के आधार पर संस्थानों को लाल, पीला व हरा (रेड, अंबर व ग्रीन) श्रेणी में रखा जाएगा। हालांकि, फिलहाल इसका डिजिटल स्तर पर प्रयोग नहीं किया जाएगा।

उच्च शिक्षा विभाग के उप सचिव राम जन्म चौहान ने बताया है कि विभाग ने इसके लिए नोडल अधिकारियों को जिम्मेदारी दी है। वे समय-समय पर संस्थानों का स्थलीय भ्रमण कर उपलब्ध कराए गए डेटा और अभिलेखों का भौतिक सत्यापन करेंगे। प्रदर्शन के आधार पर रेटिंग तय होगी।

इन क्षेत्रों की भी देखी जाएगी गुणवत्ता : इनके तहत छात्र उपस्थिति, शैक्षणिक सहभागिता, एकेडमिक कैलेंडर, टाइम टेबल व शिक्षण कार्य, नैक, आईक्यूएसी, एनआईआरएफ, शोध प्रकाशन व परियोजनाएं, ई-कंटेंट, एलएमएस, डिजिटल शिक्षण, उद्योग आधारित पाठ्यक्रम, एमओयू, इंटर्नशिप, प्लेसमेंट, छात्र सहायता और छात्रवृत्ति की प्रगति भी जांची जाएगी।

ग्रीन श्रेणी में बेहतर व्यवस्था वाले संस्थान, अंबर में अपेक्षित योजना के अनुरूप काम न करने वाले और रेड में गंभीर कमियों वाले संस्थान रखे जाएंगे। लगातार निम्न प्रदर्शन करने वाले संस्थानों की समस्याओं का परीक्षण कर सुधार कराया जाएगा और अगली समीक्षा में अनुपालन भी देखा जाएगा। इसके लिए सभी राज्य विश्वविद्यालयों के कुलसचिवों और उच्च शिक्षा निदेशक को निर्देश दिए गए हैं।

इतना ही नहीं की परफार्मेंस इंडिकेटर (केपीआई) आधारित पर्यवेक्षण के लिए विभाग ने छह प्रमुख क्षेत्र तय किए हैं। इनमें स्टूडेंट आउटकम एंड एकेडमिक डिलेवरी, डिजिटल आइडेंटिटी, एबीसी व क्रेडेंशियल, रिसर्च-इनोवेशन एंड इंडस्ट्री लिंकेज, क्वालिटी एंड एक्रीडिटेशन, गवर्नेंस-कम्प्लायंस एंड सर्विस डिलीवरी तथा फाइनेंस, पीपुल एंड ऑपरेशन शामिल हैं।

AMAR UJALA

नए दौर में तकनीक के साथ कदमताल कर रही हिंदी

संगोष्ठियों और प्रतियोगिताओं के माध्यम से विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में गूंजा हिंदी का महत्व

माई सिटी रिपोर्टर

लविवि के उमा कृष्ण अवस्थी सभागार में हिंदी दिवस पर प्रश्नोतरी क्लब 'तथ्यम' की ओर से दो प्रश्नोतरी प्रतियोगिताएं हुईं। सांस्कृतिकी निदेशक अंचल श्रीवास्तव व हिंदी विभाग की प्रो. ममता तिवारी ने विजेताओं को सम्मानित किया।

लखनऊ। हिंदी दिवस के मौके पर विश्वविद्यालयों से लेकर कॉलेजों तक में गोष्ठियों, व्याख्यानों और विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से हिंदी के महत्व पर चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि नए दौर में तकनीक के साथ हिंदी कदमताल कर रही है।

बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय आयोजित संगोष्ठी में मुख्य अतिथि लविवि के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. सूर्यप्रसाद दीक्षित ने बताया कि विश्वभर में 16,000 से अधिक बोलियां प्रचलित हैं, हिंदी में 350 से अधिक बोलियां शामिल हैं। वरिष्ठ साहित्यकार संजीव जायसवाल, कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल मौजूद रहे। वहीं, भाषा विवि के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग ने 'डिजिटल और एआई युग में हिंदी भाषा और मीडिया के बदलते आयाम' विषय पर हिंदी विभाग की सहायक प्रोफेसर आराधना अस्थाना ने कहा कि सोशल मीडिया, डिजिटल न्यूज प्लेटफॉर्म और पॉडकास्ट के जरिये हिंदी सामग्री बड़े जनसमूह तक पहुंच रही है। कुलपति प्रो. अजय तनेजा, डॉ. रुचिता सुजय चौधरी व डॉ. शचींद्र शेखर और डॉ. काजिम रिजवी मौजूद रहे।

नेशनल पीजी कॉलेज के हिंदी विभाग की ओर से 'जेन-जी के बौद्धिक विकास में हिंदी की भूमिका' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता लविवि हिंदी विभाग की आचार्य प्रो. अलका पांडेय रहीं। इसके अलावा पं. दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महाविद्यालय में हुए आयोजन में प्रो. शिवानी श्रीवास्तव और डॉ. सुरंगमा यादव ने कहा कि हिंदी हमारी सांस्कृतिक अस्मिता का सशक्त माध्यम है। कालीचरण पीजी कॉलेज में हिंदी को विश्व की नंबर एक भाषा बनाने पर जोर दिया गया। नवयुग कन्या पीजी कॉलेज की प्राचार्य मंजुला उपाध्याय ने हिंदी के वैश्विक व्यापार में बढ़ते प्रभाव की सराहना की। श्री जय नारायण मिश्र पीजी कॉलेज में प्राचार्य प्रो. केके शुक्ला ने हिंदी को रोजगारपरक बनाने की आवश्यकता पर बल दिया।

HINDUSTAN

एलयू में आज से छात्रवृत्ति के लिए आवेदन शुरू

एलयू में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति के ऑनलाइन आवेदन 15 सितंबर से शुरू होंगे। संस्थानों ने पात्र छात्र-छात्राओं को समय से आवेदन करने के लिए जागरूक करने के निर्देश दिए हैं। नोटिस बोर्ड, व्हाट्सऐप ग्रुप, मेल से सूचना मिलेगी।

AMAR UJALA

बेस्ट कैडेट चुनी गईं लविवि की साक्षी

लखनऊ। लखनऊ विवि की एनसीसी कैडेट लांसकारपोरल साक्षी अग्निहोत्री ने उत्तर प्रदेश निदेशालय की बेस्ट कैडेट प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। साक्षी 64 यूपी बटालियन एनसीसी, लविवि कंपनी की कैडेट हैं। वह बीए तीसरे सेमेस्टर की छात्रा हैं। प्रतियोगिता के दौरान उन्होंने अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और शारीरिक दक्षता का प्रदर्शन किया। बेस्ट कैडेट प्रतियोगिता मेरठ में दो चरणों में आयोजित की गई थी। पहला चरण 12 से 21 अगस्त तक और दूसरा चरण 22 से 31 अगस्त तक चला। कुलपति जय प्रकाश सैनी ने साक्षी अग्निहोत्री को बधाई दी। 64 यूपी बटालियन एनसीसी के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल एके गुप्ता, एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अनिमेष राय और लविवि कंपनी के एएनओ अधिकारी लेफ्टिनेंट डॉ. रजनीश कुमार यादव ने भी उन्हें बधाई दी। (माई सिटी रिपोर्टर)

12 दिवसीय पत्रकारिता पाठ्यक्रम शुरू

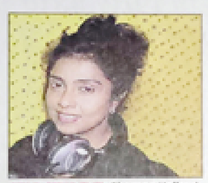

लखनऊ। लविवि के हिंदी एवं आधुनिक भारतीय भाषा विभाग में सोमवार को 12 दिवसीय पुनश्चर्या पाठ्यक्रम की शुरुआत हुई। मदनमोहन मालवीय टीचर्स ट्रेनिंग मिशन की ओर से आयोजित कार्यक्रम में 'हिंदी पत्रकारिता के दो सौ वर्ष' विषय पर विमर्श होगा। इसमें पूरे भारत से 137 हिंदी शिक्षक भाग ले रहे हैं। माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल के जनसंचार विभाग के अध्यक्ष संजय द्विवेदी, लविवि के पत्रकारिता विभाग के संस्थापक अध्यक्ष प्रो. सूर्य प्रसाद दीक्षित, हिंदी विभागाध्यक्ष पवन अग्रवाल, मदनमोहन मालवीय टीचर्स ट्रेनिंग मिशन के निदेशक दिनेश कुमार ने विचार रखे। (माई सिटी रिपोर्टर)

बाल निकुंज के चार होनहार सम्मानित

लखनऊ (वि)। बाल निकुंज स्कूल्स एंड कॉलेजेस की बेलीगारद शाखा के मेधावी छात्रों ने शहर का मान बढ़ाया है। लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित गोमती पुस्तक महोत्सव के भव्य उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विद्यालय के चार विद्यार्थियों को सम्मानित किया। इनमें जान्हवी वर्मा, महविश अतीक, अपर्णा अवस्थी और हिमांशु यादव को प्रधानमंत्री के 'एग्जाम वारियर्स' रूप में मुख्यमंत्री के हाथों यह गौरवशाली सम्मान प्राप्त हुआ।

TIMES OF INDIA

Lankan singer enrols in LU for PhD in journalism

Anjanaya Singh | TNN

STAR STUDENT: Champa Kalhari Jayasekara

Lucknow: Popular Sri Lankan singer, actress and media personality **Champa Kalhari Jayasekara** is set to begin a new chapter in her career by pursuing a PhD in the department of journalism and mass communication at Lucknow University. Known for her work in Hindi and Sinhala music, Kalhari has built a multifaceted career spanning singing, acting, radio and television.

Recalling the start of her musical journey, Kalhari said she was only six years' old when she performed Sri Lanka Ma Priyadara Jaya Bhoomi, a song associated with legendary Indian singer Lata Mangeshkar.

Her selection for a children's programme on Radio Ceylon marked the beginning of a lifelong association with music and broadcasting.

Kalhari's decision to study at Lucknow University stems from her long-standing connection with the city. Having visited Lucknow several times, she said she feels deeply attached to its people, culture, tehzeeb and literary traditions. Through her doctoral research, she hopes to combine her professional experience in music, radio and television with academic study, particularly in areas related to communication, culture and performing arts.

Over the years, Kalhari has released more than 15 albums, most featuring Hindi songs. She has also sung in Sinhala films and recorded Hindi adaptations of popular Sinhala tracks. Her song Sitha Piya Salala gained popularity during the 1990s.

Kalhari pursued formal training at Bhatkhande and earned the Sangeet Visharad degree in 1994 and Sangeet Nipun in 2015. She said these experiences deepened her understanding of music and strengthened her bond with Lucknow.

Born in Colombo, the 53-year-old comes from a family with a strong musical tradition. Her father, HDS Jayasekara, was a musician and lecturer at Sri Lanka's Institute of Aesthetic Studies.

Kalhari said her decades-long career taught her the value of continuous learning, which motivated her to pursue higher studies. International Student Adviser, Lucknow University, RP Singh said Kalhari's admission process is underway and she will join the department of journalism and mass communication once the formalities are completed.

HINDUSTAN

एलयू की एनसीसी कैडेट साक्षी को मिला प्रथम स्थान

उपलब्धि

लखनऊ, प्रमुख संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय की एनसीसी कैडेट लांस कॉरपोरल साक्षी अग्निहोत्री ने उत्तर प्रदेश निदेशालय की बेस्ट कैडेट प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल कर 64 यू.पी. बटालियन एनसीसी और लखनऊ विश्वविद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। साक्षी अग्निहोत्री 64 यू.पी. बटालियन एनसीसी, लखनऊ विश्वविद्यालय कंपनी की कैडेट और बीए तृतीय सेमेस्टर की छात्रा हैं। उन्होंने अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास, शारीरिक दक्षता और समर्पण का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जय प्रकाश सैनी, 64 यू.पी. बटालियन एनसीसी के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल ए.के. गुप्ता, एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अनिमेष कुमार राय ने उन्हें बधाई दी।

DAINIK JAGRAN

'आर्थिक स्वतंत्रता के बिना महिला की अस्मिता अधूरी'

गोमती पुस्तक महोत्सव में लेखिका आरती गुप्ता ने 'अस्मिता का आर्थिक पक्ष' पर रखे अपने विचार

महिलाएं यह न सोचें कि वे कुछ कर नहीं सकतीं

सांस्कृतिक संध्या में कथक संग गजलों की जुगलबंदी

राधा स्वामी सत्संग के स्टाल पर सजी संतों की वृतियां

HINDUSTAN

बच्चों को समझाया भावनाओं-खुशी का महत्व

पुस्तक मेला

महोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत बिरजू महाराज कथक संस्थान की ओर से सोमवार को कलाकारों द्वारा कथक की मनोहारी प्रस्तुतियां दी गईं।

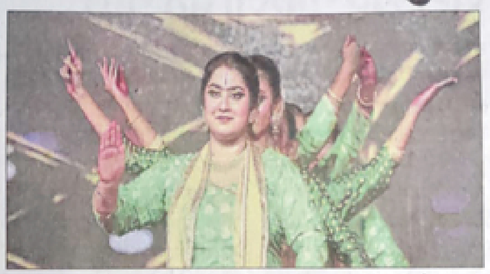

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। राष्ट्रीय पुस्तक न्यास की ओर से लखनऊ विश्वविद्यालय में जारी गोमती पुस्तक महोत्सव के पांचवें संस्करण के तीसरे दिन चिल्ड्रन्स कॉर्नर में कहानी, माइंडफुलनेस, कला, रचनात्मकता और डिजिटल पठन से जुड़े कार्यक्रम किए गए। विभिन्न विद्यालयों से 1,300 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया।

दिन की शुरुआत कामिशिबाई स्टोरीटेलिंग सेशन से हुई जिसमें कहानीकार रंजीता सचदेवा ने बच्चों को जापान की अनूठी पेपर थिएटर शैली से परिचित कराया। इसके बाद कहानीकार एवं कम्युनिकेशन कोच प्रियंका सागर ने 'माइंडफुलनेस फॉर क्यूरियस माइंड्स सत्र में बच्चों को वर्तमान क्षण में सजग रहने तथा अपनी भावनाओं और खुशियों को समझने के लिए प्रेरित किया। वेस्ट टू वंडर वर्कशॉप में कलाकार सुग्रीव विश्वकर्मा के मार्गदर्शन में बच्चों ने अपशिष्ट सामग्री से आकर्षक कलाकृतियां तैयार कीं।

पुस्तक मेले में आकर्षण बनीं कपड़े की किताबें

मेले में कपड़े से बनी किताबें बच्चों के साथ अभिभावकों के लिए भी आकर्षण का केंद्र बनी हैं। मेले के स्टॉल संख्या 93 पर हिंद खिलौना उद्योग की ओर से कपड़े की ये पुस्तकें उपलब्ध कराई गई हैं। इन किताबों की खासियत यह है कि गंदा होने पर इन्हें धोकर दोबारा इस्तेमाल किया जा सकता है। हल्की और आसानी से मोड़ी जा सकने वाली इन पुस्तकों को बच्चे पढ़ने के साथ खेल-खेल में इस्तेमाल कर सकते हैं। किताबों में बच्चों की रुचि के अनुरूप आकर्षक चित्र भी हैं।

UNIVERSITY NEWS 15 SEPTEMBER 2026

HINDUSTAN

राजकीय जुबिली इंटर कॉलेज में सोमवार को हिन्दी दिवस पर विभिन्न प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा दिखाई।

हीरालाल यादव बालिका पीजी कॉलेज, गौरी में सोमवार को हिन्दी दिवस समारोह मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न आयोजन हुए, बच्चों ने कविताएं भी सुनाईं।

हिन्दी संस्कृति, संवेदना और एकता का माध्यम

हीरालाल यादव बालिका पीजी कॉलेज, गौरी में सोमवार को हिन्दी दिवस समारोह मनाया गया। मुख्य अतिथि डॉ. अलिमा चौधरी ने छात्राओं को हिन्दी के अधिक प्रयोग के लिए प्रेरित किया। स्वाती सिंह, रीमांशी, गुड़िया राजपूत, आयशा और लक्ष्मी ने काव्य-पाठ किया। सुगम कुमार दुबे व शताब्दी गरिमा ने कविता पाठ और रोशनी त्रिपाठी ने लोकगीत प्रस्तुत किया। कॉलेज के चेयरमैन राम सिंह यादव, प्रबंध निदेशक इं. अनुराग यादव और प्राचार्या डॉ. अनामिका श्रीवास्तव मौजूद रहीं। प्राचार्या ने हिंदी के संरक्षण और संवर्धन पर जोर दिया। संचालन डॉ. रेखा मिश्रा ने किया।

हिन्दी दिवस पर राजधानी में हुए विभिन्न आयोजन, सेमिनार और गोष्ठियों में वक्ताओं ने रखे विचार

हिन्दी पर मंथन तो कहीं गीत-संगीत के रंग

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। हिन्दी दिवस पर शहर में सोमवार को विभिन्न आयोजन हुए। कहीं वक्ताओं ने भाषा की उन्नति पर विचार रखे तो कहीं गीत-संगीत की महफिल सजी। इसी क्रम में आकाशवाणी लखनऊ की ओर से समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षा संकाय के प्रो. मुनेश कुमार और विशिष्ट अतिथि बीबीएयू के डॉ. शिव सागर यादव रहे। अध्यक्षता उपनिदेशक राजीव रंजन पाण्डेय ने की। वरिष्ठ उद्घोषक सुरेन्द्र राजेश्वरी ने संचालन किया। कार्यक्रम प्रमुख सुमोना एस. पाण्डेय ने राजभाषा के महत्व पर कहा कि आकाशवाणी अपने प्रसारणों के माध्यम से समाज के हर वर्ग तक हिन्दी पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। रेडियो लोकभाषा और राजभाषा के बीच मजबूत सेतु का काम करता है।

राष्ट्रीय हिन्दी दिवस समारोह : नारी शिक्षा निकेतन में राष्ट्रीय हिन्दी दिवस समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि एनएससीबी कॉलेज की पूर्व प्राचार्या प्रो. अनुराधा तिवारी ने हिन्दी की वैश्विक स्थिति और संभावनाओं पर बात करते हुए इसे समृद्ध व विश्वस्तरीय भाषा बनाने के लिए निरंतर प्रयास की आवश्यकता बताई।

हिंदी पखवाड़ा 28 तक : एनटीपीसी उत्तरी क्षेत्रीय मुख्यालय में हिन्दी पखवाड़े का शुभारंभ हो गया। पखवाड़े का आयोजन 14 से 28 सितंबर 2026 तक किया जाएगा, जिसके अंतर्गत राजभाषा हिन्दी के अधिकाधिक प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए कार्यक्रम होंगे। कार्यकारी निदेशक एमएन पाणिग्राही ने हिंदी दिवस की शपथ दिलाई।

बाल निकुंजः प्रतियोगिता के विजेता सम्मानित

मोहिबुल्लापुर स्थित बाल निकुंज इंटर कॉलेज गर्ल्स विंग में अंतर्विद्यालयी निबंध और स्लोगन लेखन प्रतियोगिताएं हुईं। निबंध में मो. उमर प्रथम, आराध्या सिंह, सावन कुमारी, अर्श मौर्या, प्रतीक और हर्षित सिंह, सौम्या शुक्ला प्रथम, अंजली शर्मा द्वितीय और आर्यन सिंह, अभय शुक्ला, पलक मिश्रा और आध्या विजेता रहे। अमान रजा, अयान मिश्रा और अन्या वर्मा, हर्षवर्धन, वैष्णवी सिंह और देवांशी अव्वल रहे। प्रबंध निदेशक एचएन जायसवाल, प्रधानाचार्या भारती भण्डारी ने विजेताओं को सम्मानित किया।

हिन्दी दिवस पर पर मोहिबुल्लापुर स्थित बाल निकुंज इंटर कॉलेज गर्ल्स विंग में सोमवार को अंतर्विद्यालयी निबंध और स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

भाषण और कला की महफिल

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। राजकीय जुबिली इंटर कॉलेज में सोमवार को हिन्दी दिवस पर भाषा, साहित्य, कला और संस्कृति का संगम देखने को मिला। राज्य संग्रहालय और जुबिली कॉलेज के संयुक्त आयोजन में 'कला के विविध आयाम' प्रदर्शनी लगाई गई। विद्यार्थियों ने निबंध, भाषण और स्लोगन लेखन प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन कर मेडल और प्रमाणपत्र लिए।

राज्य संग्रहालय के निदेशक डॉ. विनय कुमार सिंह ने कहा कि संग्रहालय का उद्देश्य पुरानी वस्तुओं को सुरक्षित रखना नहीं बल्कि नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और विरासत से जोड़ना भी है। कार्यक्रम में पीएम श्री राजकीय सैनिक इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य अभिषेक राजभर, राजीव सिंह, कीर्ति चौरसिया और मोनिशा मिश्रा आदि मौजूद रहे।

■ राजकीय जुबिली इंटर कॉलेज में 12 स्कूलों के 150 विद्यार्थी जुटे

मातृभाषाएं अस्मिता की संवाहक : प्रो. मनोज दीक्षित

आधुनिक भारतीय भाषा विभाग एवं कायोम फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हिन्दी दिवस पखवाड़े के अंतर्गत 'क्षितिज 5.0' राज्यस्तरीय साहित्यिक एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता के विजेताओं का पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। रा.म.लो.अ. वि‌वि, अयोध्या एवं महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर के पूर्व कुलपति प्रो. मनोज दीक्षित ने 20 महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों के करीब 300 विजेता छात्रों को पुरस्कृत किया। प्रो. दीक्षित ने कहा कि मातृभाषाएं हमारी अस्मिता की संवाहक है और हिंदी राष्ट्रीय अस्मिता को अक्षुण्ण रखे हुए है। पत्रकार आशुतोष शुक्ल, अभिनेता कुशल दुबे, गीतकार ज्ञानप्रकाश आकुल ने भी विचार रखें।

हिन्दी पत्रकारिता दर्शन के अनुरूप हो : प्रो. संजय

लखनऊ विश्वविद्यालय के हिन्दी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग में मदन मोहन मालवीय शिक्षक प्रशिक्षण मिशन के अंतर्गत 12 दिवसीय पुनश्चर्या पाठ्यक्रम का शुभारंभ हुआ। उद्घाटन सत्र के मुख्य वक्ता माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल के जनसंचार विभागाध्यक्ष एवं आईआईएमसी के पूर्व निदेशक प्रो. संजय द्विवेदी ने कहा कि हिन्दी के प्रारंभिक पत्रकार साहित्यकार और सामाजिक कार्यकर्ता भी थे। उन्होंने कहा कि 30 मई 1826 को 'उदन्त मार्तण्ड' के प्रकाशन से हिन्दी पत्रकारिता की नींव पड़ी, जिसका सूत्र वाक्य था, 'हिन्दुस्तानियों के हित के हेतु।' भारतीय पत्रकारिता को भारतीय दर्शन और लोककल्याण के अनुरूप होना चाहिए। प्रो. सूर्य प्रसाद दीक्षित ने हिन्दी पत्रकारिता के विकास पर विस्तार से प्रकाश डाला।

'तथ्यम' ने आयोजित की दो प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं

लखनऊ विश्वविद्यालय की संस्कृतिकी के अंतर्गत कार्यरत प्रश्नोत्तरी क्लब 'तथ्यम' द्वारा उमा कृष्ण अवस्थी सभागार में दो प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में हिन्दी भाषा, साहित्य एवं भारतीय ज्ञान-परंपरा के प्रति रुचि बढ़ाना और प्रतिभा प्रदर्शन का मंच प्रदान करना था। पहली हिन्दी दिवस प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में मृत्युंजय विक्रम सिंह ने प्रथम, आदेश श्रीवास्तव ने द्वितीय और श्रीष शुक्ल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

डिजिटल और एआई युग में बदलते आयामों पर मंथन

भाषा विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की ओर से डिजिटल और एआई युग में हिन्दी भाषा और मीडिया के बदलते आयाम विषय पर विशेष अकादमिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम कुलपति प्रो. अजय तनेजा के संरक्षण में हुआ। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता हिन्दी विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. आराधना अस्थाना ने डिजिटल तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दौर में प्रासंगिकता पर विचार रखे।

अन्य आयोजन

- बीबीएयू में हिंदी प्रकोष्ठ की ओर से 'राष्ट्र के विकास में हिन्दी की भूमिका' विषय पर एकदिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने की।
- उत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल में 14 से 28 सितंबर तक राजभाषा पखवाड़े का आयोजन किया जा रहा है।
- भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय के सुजान सभागार में हिन्दी भाषा के महत्व एवं उसकी समृद्ध साहित्यिक परंपरा व्याख्यान हुआ।

सांस्कृतिक यात्रा को कथा के जरिए अभिव्यक्त किया

हिन्दी दिवस उत्तर प्रदेश प्रेस क्लब में 24 ग्रंथों के रचनाकार डॉ. विद्यासागर उपाध्याय की दो कृतियों का विमोचन हुआ। अखिल भारतीय साहित्य परिषद की ओर से कार्यक्रम में संक्रान्ति का संहार और काल यात्रा : वेद से बर्लिन तक के विमोचन के अवसर पर साहित्यिक परिचर्चा हुई। संक्रान्ति का संहार पानीपत के 14 जनवरी 1761 को हुए तृतीय युद्ध पर आधारित ऐतिहासिक उपन्यास है। कार्यक्रम की अध्यक्षता निर्भय नारायण गुप्त ने की। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डा. रिकी मणिकर्णिका समेत अन्य मौजूद रहे।

DAINIK JAGRAN

ज्ञान, जिज्ञासा और उत्साह के क्षितिज पर विद्यार्थी

जागरण संवाददाता • लखनऊ : साहित्यिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम क्षितिज 5.0 के दो दिवसीय समापन समारोह के पहले दिन की चर्चा 'हिंदी पत्रकारिता' से शुरू होकर 'वायरल वार्ता' का हाथ पकड़कर 'गीत मिले हैं जीवन में' से होते हुए पुरस्कार वितरण तक पहुंची। इस दौरान सभागार में मौजूद विद्यार्थी जिज्ञासा, ज्ञान और उत्साह के क्षितिज पर रहे, जिसका प्रमाण चारों सत्र में उनकी तालियां दे रही थीं। हिंदी दिवस पर आयोजित इस कार्यक्रम ने भाषा के सांस्कृतिक मूल्यों का परिचय उसकी व्यापकता से दिया।

लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में सोमवार को कायोम फाउंडेशन, हिंदी और आधुनिक भारतीय भाषा विभाग की ओर से क्षितिज 5.0 के समापन समारोह का पहला दिन दीप प्रज्वलन के साथ शुरू हुआ। हिंदी एवं आधुनिक भारतीय भाषा विभाग के अध्यक्ष प्रो. पवन अग्रवाल ने कहा कि पत्रकारिता ने हिंदी को क्षेत्रीय भाषा से निकालकर मानक भाषा बनाया। संस्कृत, पाली, प्राकृत से होते हुए हिंदी ने एक हजार वर्षों की यात्रा पूरी की। हिंदी प्रांतीय भाषाओं को साथ लेकर चलने वाली भाषा है।

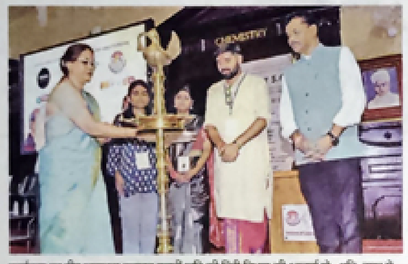

पहले सत्र की शुरुआत लवि के हिंदी विभाग की आचार्य प्रो. श्रुति और दैनिक जागरण के संपादक (उत्तर प्रदेश) आशुतोष शुक्ल के संवाद से हुई। प्रो. श्रुति ने प्रश्न पूछा कि पिछले दिनों एक घटना के दौरान युवाओं ने भाषा को अपने रूप में गढ़ा, इसे कैसे देखते हैं? उत्तर में आशुतोष शुक्ल ने कहा कि समय के साथ नए शब्द आते हैं और लोग सहजता से स्वीकार भी करते हैं। अंत में क्षितिज 5.0 के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने वाले 20 विद्यालयों और महाविद्यालयों के 300 प्रतिभागियों को डा. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. मनोज दीक्षित और विधायक राजेश्वर सिंह ने सम्मानित किया।

कार्यक्रम का दीप जलाकर उद्घाटन करती लवि की हिंदी विभाग की आचार्य प्रो. श्रुति, साथ में हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रो. पवन अग्रवाल व कायोम के सचिव अनमोल मिश्रा • जागरण

हमेशा संतुलन से बनते हैं गीत

तृतीय सत्र गीत मिले हैं जीवन में मुख्य अतिथि गीतकार ज्ञान प्रकाश आकुल रहे और दीप्तेश जया ने उनसे वार्ता की। उन्होंने गीत और जीवन के संबंध, बदलते समय में गीतों की प्रासंगिकता तथा साहित्य व संगीत के संबंध जैसे विषयों पर अपनी बात रखी। कहा कि गीत हमेशा संतुलन से बनते हैं। लय, ताल उनमें स्वत: आ जाती है और भाषा के स्तर पर वह फिर जादुई करिश्मा करते हैं।

पीयूष मिश्रा की वजह से यहां तक आया

कुशल दुबे • जागरण

द्वितीय सत्र वायरल वार्ता का संचालन अक्षत ने किया। इस सत्र में अभिनेता व कंटेंट क्रिएटर कुशल दुबे और अनमोल मिश्रा के बीच संवाद हुआ। बीच-बीच में मिशन मुंह दिखाई फिल्म के डायलाग सुनने के अनुरोध ने सत्र को मनोरंजक बना दिया। कुशल दुबे ने कहा कि हमें अपनी संस्कृति, भाषा, बोली को कभी नहीं भूलना चाहिए, क्योंकि यही हमें आगे ले जाते हैं। कहा कि गुलाल फिल्म देखते समय क्रेडिट में पीयूष मिश्रा का नाम आया, बस वहीं से ठान लिया कि फिल्मों में जाना है। कहा कि उनका लक्ष्य है कि अपने मन का सिनेमा बना सकें और कहानी अपने आसपास की हो।

DAINIK JAGRAN

हिंदी पत्रकारिता ने भाषा को लोकव्यापी बनाने में निभाई अहम भूमिका

लखनऊ : हिंदी दिवस पर लवि में हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्षों की यात्रा, सामाजिक सरोकार और बदलते दौर की चुनौतियों पर चर्चा हुई। हिंदी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम प्रारंभ हुआ, जिसमें 137 हिंदी शिक्षक शामिल हुए। मुख्य वक्ता माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल के जनसंचार विभागाध्यक्ष और आइआइएमसी के पूर्व निदेशक प्रो. संजय द्विवेदी ने कहा कि भारतीय पत्रकारिता भारतीय दर्शन के अनुरूप हो। उन्होंने पत्रकारिता के माध्यम से हिंदी भाषा के लोकव्यापीकरण और समाज में संवाद को मजबूत करने पर जोर दिया। वि.

DAINIK JAGRAN

एनसीसी बेस्ट कैडेट प्रतियोगिता में साक्षी अग्निहोत्री प्रथम

जागरण टीम • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय की 64 यूपी बटालियन एनसीसी की कैडेट लांस कारपोरल साक्षी अग्निहोत्री ने उत्तर प्रदेश निदेशालय की बेस्ट कैडेट प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल किया। बीए तृतीय सेमेस्टर की छात्रा साक्षी ने प्रतियोगिता के दौरान अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और शारीरिक दक्षता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता के दो चरण 12 से 21 अगस्त तथा 22 से 31 अगस्त तक मेरठ में आयोजित हुए। कुलपति प्रो. जय प्रकाश सैनी ने इसे अन्य कैडेटों के लिए प्रेरणास्रोत बताया।

साक्षी • स्वयं

DAINIK JAGRAN

पांच बार हुए विफल, छठे प्रयास में क्रैक किया यूपीएससी

मिलिए मेधावी से

अखिल सक्सेना • जागरण

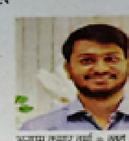

लखनऊ : 'यूपीएससी की तैयारी में बहुत ज्यादा किताबें जुटाने के बजाय सीमित और विश्वसनीय स्रोतों को बार-बार पढ़ना ज्यादा उपयोगी है। अगर इतिहास के लिए विपिन चंद्रा या ओल्ड एनसीईआरटी जैसी कोई किताब पर्याप्त है तो उसी को अच्छी तरह पढ़कर क्लास नोट्स के साथ तैयारी करें। तमाम किताबों और स्रोतों के बीच उलझने से बचना चाहिए। मेंस की तैयारी में आंसर राइटिंग सबसे महत्वपूर्ण है। प्रश्न की मांग को समझकर उसी के अनुसार उत्तर लिखना चाहिए। जो पूछा गया है, उसका ही जवाब दें।' इसी रणनीति के अनुसार लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र अनुपम कुमार वर्मा ने तैयारी कर संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की सिविल सेवा परीक्षा 2025 में आल इंडिया 68वीं रैंक के साथ सफलता हासिल किया।

अनुपम कुमार वर्मा मूल रूप से बाराबंकी के अकबरपुर के रहने वाले हैं। उनके पिता सुरेंद्र सिंह खेती करते हैं, जबकि मां पूनम वर्मा गृहिणी हैं। वह बताते हैं कि परिवार की आर्थिक स्थिति बहुत मजबूत नहीं थी। ऐसे में सरकारी नौकरी की तैयारी करनी ही थी, तो मैंने तय किया कि क्यों न देश की सबसे प्रतिष्ठित सिविल सेवा परीक्षा के लिए प्रयास किया जाए। इसी सोच के साथ लखनऊ विश्वविद्यालय में बीए में दाखिला लिया और सिविल सेवा की तैयारी के लिहाज से भूगोल, राजनीतिक विज्ञान और अंग्रेजी विषय चुने।

अनुपम कुमार वर्मा • स्वयं

दो सरकारी नौकरी मिली, लेकिन लक्ष्य यूपीएससी था

अनुपम ने 2020 में सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी शुरू की। वह बताते हैं, 'अलीगंज में रहकर करीब दो वर्ष कोचिंग की। फिर सेल्फ स्टडी को आधार बनाया। वर्ष 2021 में प्रारंभिक परीक्षा में ही सफल नहीं हुआ। अगले प्रयास में 2022 में इंटरव्यू तक पहुंचे, लेकिन अंतिम चयन नहीं हो सका। इस दौरान इंटेलिजेंस ब्यूरो की परीक्षा में सफलता मिली व इंस्पेक्टर पद पर चयन हुआ। 2022 में ही यूपीपीसीएस परीक्षा पास कर बीडीओ के पद पर भी चयनित हुआ। समाचार पत्र नियमित पढ़ने से करेंट अफेयर्स में मदद मिली। वह बताते हैं कि 2023 व 2024 में भी यूपीएससी मुख्य परीक्षा में असफलता मिली, लेकिन तैयारी नहीं छोड़ी। मेरा वैकल्पिक विषय भूगोल था। तैयारी में घंटों की संख्या गिनने के बजाय रोज का लक्ष्य तय किया। 2025 में छठे प्रयास में यूपीएससी में चयनित हुए और आल इंडिया 68वीं रैंक मिली। वह बताते हैं कि सफलता के पीछे माता-पिता व शिक्षकों का बड़ा सहयोग रहा।

DAINIK JAGRAN

एआइ से कैंसर उपचार को मिलेगी नई दिशा

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, प्रिसीजन आंकोलाजी और आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं पर आधारित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन एआईएनएफपीओएच-2026 का आयोजन किया गया। सम्मेलन में 150 संस्थानों के 700 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

कार्यक्रम का आयोजन आरजीएस कालेज आफ फार्मेसी ने बायोटेक फार्मा सेंटर फार इंटीग्रेटेड लर्निंग नई दिल्ली के सहयोग से किया। कार्यक्रम में आरजीएस ग्रुप के जनरल सेक्रेटरी सावन शुक्ला तथा मुख्य अतिथि डीजी एफएस यूनिवर्सिटी के प्रो. अभिनव श्रीवास्तव मौजूद रहे। विशेषज्ञों ने बताया कि कैंसर की पहचान और इलाज को बेहतर बनाने में एआइ अहम भूमिका निभा सकती है। वैज्ञानिक सत्र में केजीएमयू के प्रो. आरके दीक्षित, नाइपर की प्रो. अनुपमा मित्तल और न्यूयार्क स्थित मेमोरियल स्लोन केटरिंग कैंसर सेंटर के डा. हिमांशु नारायण सिंह ने अपने विचार रखे। (वि.)